बिहार विधान परिषद्

191वां सत्र

अल्पसूचित प्रश्न एवं उत्तर

वर्ग – 5

शुक्रवार, तिथि — 26 माघ, 1940 (श.) / 15 फरवरी, 2019 ई.

प्रश्नों की कुल संख्या – 09

1.	शिक्षा विभाग	-	-	09
			कुल योग –	09

कालेज शिक्षकों में क्षोभ

36. प्रो. नवल किशोर यादव : क्या मंत्री, शिक्षा विभाग यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य के अंगीभूत महाविद्यालयों के शिक्षकों की भांति स्थायी सम्बद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकों का भी कॉलेज सेवा आयोग विद्यालय चयन विश्व / विद्यालय द्वारा उनकी नियुक्ति का अनुमोदन हुआ हैसमिति से चयन हुआ है और विश्व;

(ख) क्या यह सही है कि इन अंगीभूत महाविद्यालयों में 20% और संबद्ध महाविद्यालयों में 80% छात्रबल पर शिक्षक हैंछात्राओं के संख्या-, किन्तु दिनांक को 13.12.2018 कुलपतियों के द्वारा लियेगए निर्णय में स्नातक तृतीय खंड में संबद्ध डिग्री महाविद्यालयों के शिक्षकों को परीक्षक बनने से वंचित किया जा रहा है, जिससे संबद्ध कॉलेजों के शिक्षकों में भारी क्षोभ व्याप्त है;

(ग) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकरात्मक हैं तो क्या सरकार ऐसी स्थिति के लिए लिये गये निर्णय को निरस्त करने एवं पूर्व की भांति संबद्ध डिग्री कॉलेजों के शिक्षकों को परीक्षक बनाये रखने का विचार रखती है, यदि नहीं तो क्यों ?

कार्रवाई कब तक

37. श्री रामचन्द्र भारती : क्या मंत्री, शिक्षा विभाग यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय के एक फैसले के आलोक में शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सभी निजी/सरकारी स्कूलों को नामांकन में आधार पंजीयन की अनिवार्यता खत्म करने का निर्देश दिया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि विभाग के स्पष्ट निर्देश के बावजूद सूबे के स्कूलों द्वारा आधार पंजीयन के लिए अभिभावकों को परेशान किया जा रहा है;

(ग) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकरात्मक हैं तो क्या सरकार इस तरह के स्कूलों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

राशि की उपलब्धता

38. श्री मो. गुलाम रसूल : क्या मंत्री, शिक्षा विभाग यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बिहार सरकार द्वारा राजकीय / राजकीयकृत / प्रोजेक्ट एवं उत्क्रमित विद्यालयों को उपस्कर हेतु पांच लाख एवं प्रयोगशाला के विकास हेतु तीन लाख रुपया उपलब्ध कराया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि विगत कुछ वर्षों से यह राशि मान्यताप्राप्त अल्पसंख्यक विद्यालयों को नहीं दी जा रही है, जिससे वहां के छात्रों को उपस्कर एवं प्रयोगशाला उपकरणों का अभाव झेलना पड़ रहा है;

(ग) यदि उपरोक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार अल्पसंख्यक विद्यालयों को भी उपस्कर एवं प्रयोगशाला उपकरणों की खरीद के लिए निर्धारित राशि उपलब्ध कराना चाहती है, यदि हां तो कब तक, नहीं तो क्यों ?

प्राचार्य के विरुद्ध कार्रवाई

39. श्री राम चन्द्र पूर्वे : क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना जिला के 89 स्कूलों में पिछले पांच महीनों से प्रैक्टिकल का क्लास नहीं चलने से छात्रों में काफी आक्रोश है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त जिला के कुल 284 स्कूलों में लैब के सामान खरीदने के लिए पांच-पांच लाख रुपये की राशि आवंटित की गयी, इसके बावजूद प्रयोगशाला के सामान की संबंधित प्राचार्य द्वारा खरीद नहीं की गयी है;

(ग) क्या यह सही है कि जिला के डी.इ.ओ. ने सभी स्कूलों को 5 नवम्बर 2018 तक राशि खर्च करके उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा करने का आदेश दिया था;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार प्रैक्टिकल का क्लास सुनिश्चित करने की व्यवस्था एवं राशि नहीं खर्च करने वाले प्राचार्य के विरुद्ध कौन सी कार्रवाई करने का विचार रखती है, यदि हां तो कब तक ?

समस्याओं का निदान

40. श्री आदित्य नारायण पाण्डेय : क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि छपरा में अवस्थित जयप्रकाश विश्वविद्यालय सारण कमिश्नरी का एक मात्र विश्वविद्यालय है, जहां कई हजार छात्र-छात्रा उच्च शिक्षा हेतु अध्ययनरत हैं, जबकि उक्त विश्वविद्यालय के कैम्पस छात्रों के पठन-पाठन कार्य हेतु भवन का अत्यंत अभाव है, साथ ही कैम्पस में मूलभूत सुविधाओं की अत्यंत कमी होने से पढ़ाई पर विपरीत असर पड़ता है ?

(ख) क्या यह सही है कि उक्त विश्वविद्यालय में विगत कई वर्ष पूर्व से उक्त कैम्पस में कई निर्माणाधीन भवन हैं जो अब तक नहीं बने हैं ?

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार कब तक उक्त समस्याओं का निदान करना चाहती है ?

उत्तर :

(क) स्वीकारात्मक।

विश्वविद्यालय कैम्पस में अर्द्धनिर्मित भवन हैं जो पूर्व के विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा समुचित ध्यान न देने के कारण अपूर्ण स्थिति में अवस्थित हैं। इन भवनों के लम्बित कार्य को पूर्ण करने का कार्य माननीय कुलपति महोदय के सदप्रयास से जारी हैं। इसके लिए राज्य सरकार ने भवन निर्माण के मद में इस विश्वविद्यालय हेतु राशि आवंटित की है।

(ख) स्वीकारात्मक।

निर्माण पूर्ण करने का कार्य प्रक्रियाधीन है।

(ग) इस प्रश्न का उत्तर राज्य सरकार से संबंधित है।

खेल मैदान की व्यवस्था

41. श्री राधाचरण साह एवं **श्री कृष्ण कुमार सिंह** : क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य के सभी स्कूलों में खेल का एक पीरियड रखने का शिक्षा विभाग की ओर से निर्देश है;

(ख) क्या यह सही है कि 54 हजार 697 स्कूलों में खेल के मैदान नहीं हैं, खेल का मैदान नहीं होने से ज्यादातर स्कूलों में खेल की कोई कक्षाएं नहीं होती हैं, ऐसे में बच्चों का सर्वांगीण विकास नहीं हो पाता है;

(ग) क्या यह सही है कि राज्य में कितने स्कूलों में अभी तक खेल के शिक्षक ही नहीं हैं;

(घ) क्या यह सही है कि पटना में 19 से अधिक हाई स्कूल व प्लस टू स्कूल किराये के कमरे में चलते हैं;

(ड.) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार बच्चों के भविष्य को देखते हुए खेल के मैदान की व्यवस्था एवं शारीरिक (खेल) शिक्षक सभी विद्यालय में कबतक बहाल कराना चाहती है ?

प्राथमिक शिक्षकों को वेतन

42. श्री कृष्ण कुमार सिंह : क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य के प्राथमिक शिक्षक नियमित रूप से काम कर रहे हैं;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य के बच्चों को शिक्षा प्रदान करने में प्राथमिक शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान है;

(ग) क्या यह सही है कि राज्य के प्राथमिक शिक्षकों का वेतन तीन से चार माह में दिया जाता है;

(घ) क्या यह सही है कि हर माह वेतन नहीं मिलने की वजह से शिक्षकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है;

(ड.) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार राज्य के प्राथमिक शिक्षकों को हर माह नियत तिथि पर वेतन का भुगतान करना चाहती है, यदि हां तो कब तक ?

सुविधाओं से लैस पुस्तकालय

43. श्री वीरेन्द्र नारायण यादव : क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य में स्कूल-कॉलेज के छात्रों से लेकर प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी करने वाले गरीब छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए पुस्तकालय होना अत्यावश्यक है;

(ख) क्या यह सही है कि दूरदराज के ग्रामीण इलाकों में प्रखंड से पंचायत स्तर पर पुस्तकालय नहीं हैं, जिसके अभाव में ग्रामीण छात्र-छात्राओं एवं प्रतियोगी स्नातकों को पत्रिकाओं एवं विभिन्न विषयों के नये संस्करण की किताबें पढ़ने के लिए नसीब नहीं हो पाती हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार उक्त स्थिति में छात्रों के ज्ञानोपार्जन एवं जनसरोकार के दृष्टिकोण से राज्य के तमाम जिलों के प्रखंडों एवं पंचायतों में सभी सुविधाओं से लैस पुस्तकालय की स्थापना करने (खोलने) का विचार रखती है, यदि हां तो कब तक, नहीं तो क्यों ?

किताबों की उपलब्धता

44. श्री टुन जी पाण्डेय : क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पूरे बिहार में पुस्तकालय भवनों का निर्माण हुआ है;

(ख) क्या यह सही है कि पुस्तकालयों में सरकार द्वारा किताबें उपलबध नहीं करायी गयी हैं;

(ग) क्या यह सही है कि जिसके कारण ग्रामीण इलाके के गरीब छात्र एवं छात्राओं को पढ़ने में काफी परेशानी होती है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार पुस्तकालयों में किताबें उपलब्ध कराएगी, यदि हां तो कब तक, नहीं तो क्यों ?

विनोद कुमार
कार्यकारी सचिव
बिहार विधान परिषद्

पटना
दिनांक : 15 फरवरी, 2019 ई.